Daily Gospel Reflections in Hindi

04 August 2019

लूकस 15:11-32

THERE IS JOY IN HEAVEN OVER ONE SINNER WHO REPENTS

खोया हुआ लडका का दृष्टांत मुक्ति इतिहास का सार है। यह दृष्टांत पुराने विधान में परमपिता के प्यार को प्रभु येसु में पूर्णता के रुप में दिखाता है। संत पौलुस कहते है कि यदि हम मुकर भी जाते तब भी वह सत्यप्रतिज्ञ बनें रहेंगे। क्योंकि वह अपने स्वभाव के विरुद्ध नहीं जा सकते। हमें संसार की भौतिकता में रम जानें और ईश्वर के पास लौट आने दोनों की स्वंत्रता है। खोया हुआ बेटा का दृष्टांत हमें प्रतीकात्मक रुप से दिखाता है कि अपने पिता से दूर रह कर हम केवल क्षणिक सुख का भोग कर सकतें हैं लेकिन यह क्षणिक सुख हमें पशु तुल्य बना कर छोड देता है, जबकि ईश्वर का असीम प्रेम हमें पशुता से उठा कर ईश्वर पुत्र होने का आनंद और महिमा प्रदान करता है।

इस दृष्टांत में हमें एक और सत्य का ज्ञान होता है और वह है कि प्रायश्ति वह सेतु है जिस के प्रयोग से हम इस संसार के पापमय जीवन से अनश्वर जीवन की ओर जा सकते हैं। इस सेतु के इस ओर पापमय दुनिया है और उस ओर स्वर्ग का अनंत सुख। इन दोनों के बीच मृत्यु रुपी खाई है। जो प्रायश्चित करता है वह मृत्यु के गर्त में गिरकर नष्ट नहीं होता अपितु ईसा के लहु से निर्मित सेतु का प्रयोग कर स्वर्ग के अनंत सुख का भागीदार हो सकता है। हम पाप स्वीकार संस्कार का बारंबार प्रयोग करें और लौट कर अपने पिता के घर में उत्सव के भागीदार बनें ।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019